।। जय गुरु नाना।।

।। जय महावीर।।

।। जय गुरु राम।।

संघ समर्पणा महोत्सव एवं 62वाँ वार्षिक अधिवेशन-2024

दिनांक : 2-4 अक्टूबर 2024

कार्यक्रम विवरण

स्थान : भीलवाड़ा

2 अक्टूबर 2024 बुधवार
दोपहर 11.45 बजे से

संघ विकास - सर्वांगीण विकास

आमंत्रित : भारत के समस्त स्थानीय संघ अध्यक्ष-मंत्रीयों व क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक

2 अक्टूबर 2024 बुधवार
रात्रि 7.30 बजे से

महत्तम शिखर सम्मेलन

आमंत्रित : साधुमार्गी परिवार एवं सकल जैन समाज

Joint Session

3-4 अक्टूबर 2024, गुरुवार-शुक्रवार
दोपहर 11.45 बजे से सत्र-1 व सत्र-2

संयुक्त वार्षिक अधिवेशन

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति
श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

आमंत्रित : साधुमार्गी परिवार एवं सकल जैन समाज

4 अक्टूबर 2024 शुक्रवार
दोपहर 2:30 बजे से

वार्षिक आम सभा

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

आमंत्रित : समस्त साधारण-आजीवन सदस्य, शीर्ष पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष-महामंत्री-कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, कार्यसमिति सदस्य, संयोजक मण्डल सदस्य, विशेष आमंत्रित एवं अंतर्गत संस्थाओं के सदस्य एवं पदाधिकारी

3 अक्टूबर 2024 गुरुवार

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

कार्यसमिति बैठक
सायं 7.30 बजे से

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, सह संयोजक, संयोजन मण्डल सदस्य, आंचलिक प्रभारी, कार्यसमिति सदस्यगण एवं विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति

कार्यसमिति बैठक सायं 7.30 बजे से

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिका, सह संयोजिका, संयोजन मण्डल सदस्या, आंचलिक प्रभारी, संभाग प्रमुख, कार्यसमिति सदस्यागण एवं विशेष आमंत्रित सदस्या

वार्षिक आम सभा रात्रि 8.30 बजे से

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिका, सह संयोजिका, कार्यसमिति सदस्या, पूर्व अध्यक्षा-महामंत्री, महिला समिति आजीवन-साधारण सदस्या, विशेष आमंत्रित सदस्या

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

कार्यसमिति बैठक दोपहर 3.45 बजे से

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, राष्ट्रीय प्रभारीगण, कार्यसमिति सदस्यगण, स्थानीय संघ एवं शाखा प्रमुख, लीड मेंबर, विशेष आमंत्रित सदस्य

वार्षिक आम सभा सायं 7.30 बजे से

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, कार्यसमिति सदस्यगण, स्थानीय संघ एवं शाखा प्रमुख, लीड मेंबर, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं समस्त युवा साथी

निवेदक

राष्ट्रीय महामंत्री
श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति
श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

राम चमकते भानु समाना

आमंत्रण पत्र

बैठक क्रमांक : 4 / सत्र 2023–25 दिनांक : 10 सितम्बर 2024

कार्यसमिति बैठक

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की सत्र 2023–25 की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक श्रीसंघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में दिनांक 03 अक्टूबर 2024, रविवार रात्रि 7:30 से भीलवाड़ा में आयोजित होनी प्रस्तावित है। जिसमें शीर्ष पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष / महामंत्री, सभी अचंलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष / मंत्री, प्रवृति संयोजक, कार्यसमिति सदस्य, संयोजन मण्डल सदस्य व विशेष आमंत्रित सदस्य एवं श्री संघ के अर्न्तगत संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी की उपस्थिति सादर आमंत्रित है।

कार्यसूची

1. मंगलाचरण।
2. विगत दिनांक 21–22 जुलाई 2024, भिक्षू विहार जैन भवन, भीलवाड़ा (राज.) में आयोजित कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि अंगीकृति व अनुमोदना।
3. नये आवेदकों को सदस्यता प्रदान करने की स्वीकृति।
4. प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति। (22 जुलाई से 2 अक्टुबर)
5. वित्तीय वर्ष 2023–24 की अंकेक्षित तुलन पत्र की प्रस्तुति।
6. आंचलिक एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन चर्चा
7. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
8. राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्‌बोधन।
9. आभार अभिव्यक्ति।
10. चारित्रआत्माओं के देवलोकगमन पर 4–4 लोगस्स का ध्यान।
11. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।

–: विनीत :–

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

बैठक स्थल : भीलवाड़ा (राज.)।

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. एवं आज्ञानुवर्ती संत / सतियाँ जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ प्राप्त होगा।

नोट : आंचलिक प्रतिवेदन एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन किसी भी आंचलिक पदाधिकारी / प्रवृत्ति संयोजक आदि को सभा में प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 25 सितम्बर 2024 तक केन्द्रीय कार्यालय व्हाटसप्प नंबर 9602026899 पर जानकारी भिजवाने की कृपा करावें।

जय गुरु नाना जय महावीर जय गुरु राम

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

सत्र 2023–25

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक क्रमांक - 3

स्थान : भिक्षु विहार, जैन भवन
भीलवाड़ा (राजस्थान)
दिनांक : 21–22 जुलाई 2024
समय : दोपहर 11.45 बजे से

: प्रधान कार्यालय :

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर,
बीकानेर-334401 (राजस्थान), फोन नं. : 0151-2270261
www.sadhumargi.com, email : ho@sadhumargi.com

○○○

शैक्षणिक एवं धार्मिक गतिविधि केन्द्र
आचार्य श्री नानेश ध्यान केन्द्र, राणा प्रताप नगर रोड,
सुन्दरवास, उदयपुर-313002 (राज.)
email : udpr@sadhumargi.com

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

कालावधि	**: 2023-25**	**बैठक क्रमांक**	**: 3**
(अ) कुल सदस्य	**: 301**	**दिनांक**	**: 21-22 जुलाई 24**
(ब) प्रतिभागी सदस्य	**: 77**	**समय**	**: दोपहर 11.45 बजे से**
(स) विशेष आमंत्रित	**: 47**	**सुगमकर्ता**	**: राष्ट्रीय महामंत्री**
कुल उपस्थिति (ब+स)	**: 124**	**अनुपस्थित (अ-ब)**	**: 224**
बैठक स्थल	**: भिक्षु विहार, जैन भवन, भीलवाड़ा (राजस्थान)**		

कार्यसमिति बैठक के मुख्य बिन्दु

निर्णय

1. विगत कार्यसमिति की बैठक **(दिनांक 25 मार्च 2024 को यू.एस. ओस्तवाल साइंस, आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, मंगलवाड़ चौराहा (राज.) में आयोजित)** के कार्यवृत्त की पुष्टि अंगीकृति व अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–2, पेज संख्या–2)
2. विगत कार्यसमिति बैठक से अब तक बने नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–3 , पेज संख्या–2)
3. श्रमणोपासक पत्रिका रजिस्टर्ड बुक पोस्ट से भिजवाने, श्रमणोपासक में 1100 रुपये से कम दानराशि वालों के नाम प्रकाशित नहीं करना, संघ के नाम से क्रेडिट कार्ड लेने हेतु प्रस्ताव अनुमोदना व स्वीकृति (क्रम संख्या–9, पेज संख्या–12)
4. इदं न मम में कम से कम सदस्यता राशि बढ़ाकर 2100 करने के प्रस्ताव अनुमोदना व स्वीकृति (क्रम संख्या–10, पेज संख्या–13)
5. वित्तीय वर्ष 2023–24 का कोर्पस बजट की अनुमोदना। (क्रम संख्या–6, पेज संख्या–7)

अन्य बिन्दु

1. नव साहित्य विमोचन (शांत सुधारसः व जैनिज्म)। (क्रम संख्या–8.3, पेज संख्या–10)
2. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में सत्र 2023–25 की तृतीय कार्यसमिति बैठक भिक्षु विहार, जैन भवन, भीलवाड़ा (राज.) में संपन्न हुई, जिसमें कुल 77 सदस्य उपस्थित थे। इनके अलावा 47 विशेष आमंत्रित महानुभावों की भी उपस्थिति रही। **(संलग्न परिशिष्ट-1)**

बैठक की कार्यवाही एतद्पश्चात् विवरणित है। संदर्भित विवरण कार्यसूची में उल्लेखित मदों के क्रम में कुछ प्रकार अंतर सहित प्रस्तुत है।

क्रम संख्या - 1 - सत्रारंभ– **1.1** - नवकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण एवं संघ समर्पणा गीत के सहगान के साथ सत्रारंभ हुआ।

1.2 - राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र जी गांधी ने साधुमार्गी संकल्प पत्र का वाचन किया, जिसे सदन में उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक दोहराव किया।

1.3 - राष्ट्रीय महामंत्री सुरेश जी बच्छावत ने परम पूज्य आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं चारित्रात्माओं को परोक्ष वंदन कर सत्र 2023–25 के कार्यकाल की तृतीय कार्यसमिति बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सभी शिखर सदस्य, पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, वर्तमान पदाधिकारीगण, प्रवृत्ति संयोजकगण, संयोजन मण्डल सदस्य, आंचलिक पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं देशभर से पधारे सभी महानुभाव! जो अपने बहुमूल्य समय में से समय निकालकर इस कार्यसमिति बैठक में उपस्थित हुए हैं, उनका श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

क्रम संख्या - 2 - विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि, स्वीकृति एवं अनुमोदना - राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए कहा कि दिनांक 25 मार्च 2024 को यू. एस. ओस्तवाल साइंस आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, मंगलवाड़ चौराहा (राज.) में सम्पन्न हुई विगत कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त सभी सम्मानित सदस्यों को पूर्व में डाक द्वारा प्रेषित कर दिया गया है। साथ ही इस बैठक के एजेंडे के साथ व्हाट्सएप्प, ईमेल द्वारा भी प्रेषित किया जा चुका है। आशा करते हैं आपको प्राप्त हो गया होगा एवं सभी ने अवलोकन भी कर लिया होगा। किसी महानुभाव के विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी, चर्चा, प्रश्न अथवा सुझाव हों तो कृपया सदन को अवगत करावें और अपनी स्वीकृति व अनुमोदना प्रदान करें।

सम्पूर्ण सदन ने हाथ उठाकर सहमति प्रदान करते हुए विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की स्वीकृति प्रदान की।

क्रम संख्या - 3 - नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना - महामंत्री जी ने विगत कार्यसमिति बैठक से अब तक विभिन्न सदस्यताओं में हुई अभिवृद्धि को बतलाते हुए कहा कि विगत कार्यसमिति बैठकों के दौरान सभी उपाध्यक्ष व मंत्रीगणों से संघ सदस्यता को बढ़ाने के लिए पुरुषार्थ करने का निवेदन किया गया था। उस कड़ी में नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना प्रदान करावें। संघ शिखर सदस्यता (प्रस्तावित 1), महाप्रभावक सदस्यता में 14 (प्रस्तावित 3 तथा घोषणा 11), संघ प्रभावक सदस्य में 1, संघ आजीवन सदस्यता में 2, श्रमणोपासक

सदस्यता में 36, साहित्य सदस्यता में 14 तथा 1 विहार सेवा सदस्य नए बने हैं। इन सभी की सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करने हेतु सदन से निवेदन है।

सदन ने नए सदस्यों की सदस्यता हेतु स्वीकृति प्रदान की।

(संलग्न परिशिष्ट-2)

क्रम संख्या - 4 - त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति - महामंत्री जी ने सदन में विगत समय में हुई विभिन्न गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिनमें मुख्य बिन्दु निम्नवत् रहे –

4.1 - जयपुर ब्यावर अंचल प्रवास - दिनांक 11–12–13 अप्रैल, 2024 को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्रेणिक जी नाहर की अध्यक्षता में जयपुर–ब्यावर अंचल का तीन दिवसीय प्रवास संपन्न हुआ। प्रवासी दल में मुख्य रूप से केन्द्रीय पदाधिकारियों के साथ दान पेटी राष्ट्रीय संयोजक श्री पूनमचंद जी भूरा और अंचल के राष्ट्रीय मंत्री श्री प्रवीण जी खेतपालिया भी उपस्थित रहे। प्रवासी दल ने ब्यावर, जेठाना, अजमेर, जयपुर, टोंक, काकोड़, अलीगढ़–उखलाना, सवाई माधोपुर, बजरिया, मंडी रोड, हाउसिंग बोर्ड आलनपुर, आदर्श नगर बजरिया व कोटा में सभा आयोजित कर सभी संघों में महत्तम महोत्सव के कार्यों को आगे बढ़ाने व संघ की सभी प्रवृत्तियों से जुड़ने हेतु अनुरोध किया। प्रवास के दौरान बजरिया संघ को केन्द्रीय संघ से आबद्ध किया गया। साथ ही अलीगढ़, काकोर, उखलाना, आदर्श नगर बजरिया, हाउसिंग बोर्ड आलनपुर भी नए क्षेत्र घोषित। महाप्रभावक सदस्यता हेतु 1 की स्वीकृति प्रदान की गई। महत्तम महोत्सव हेतु 3 लोगों ने सहयोग राशि दी। **(संलग्न परिशिष्ट-3)**

4.2 - अक्षय तृतीय पारणा - 10 मई, 2024 को अक्षय तृतीय पर केन्द्रीय पदाधिकारियों व अन्य संघ के वरिष्ठ महानुभावों के साथ 105 तपस्वी भाई–बहनों को उनके परिजनों एवं संघ के लोगों ने इक्षुरस से पारणा करवाया। कई वर्षीतप आराधक भाई–बहन 5, 10, 15, 20 से भी अधिक वर्षों से एकांतर तप करके अपनी आत्मा को भावित कर रहे हैं। देशनोक की 85 वर्षीया ज्ञाना देवी भूरा 23 साल से लगातार एकांतर कर रही हैं। 78 वर्षीय शिव सिंह जी चौधरी ने अपने 8वें वर्षीतप का पारणा किया। खैरागढ़ की सरला बाई सांखला ने 20वें वर्षीतप का पारणा किया। साथ ही धमतरी में शासन दीपक श्री अक्षयमुनि जी म.सा. के नेश्राय में छ.ग. उड़िया अंचल के उपाध्यक्ष/मंत्री ने 41 वर्षीतप पारणा करवाया।

4.3 - अभिमोक्षम्, चितौड़गढ़ - 16 दिवसीय अभिमोक्षम् शिविर का शुभारंभ 10 मई को एवं समापन 25 मई, 2024 को हुआ। जिन श्रावक–श्राविकाओं को इस शिविर का उद्देश्य ज्ञात हुआ, उन्होंने इसके लिए अपने बच्चों/बच्चियों का रजिस्ट्रेशन कराने में स्फूर्ति दिखाई तथा अन्यों को भी इसकी जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करने का सुकार्य किया। सभी के सम्मिलित प्रयासों से शिविर के लिए

लगभग 4500 रजिस्ट्रेशन हुए और 2000 से अधिक शिविरार्थियों ने सहभागिता की। शिविरार्थियों ने 16 दिन तक सभी आधुनिक सुविधाओं एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स (मोबाइल, लैपटॉप, वीडियो गेम, टी.वी. आदि) से दूर रहकर शुद्ध, सात्विक, सहज दिनचर्या के साथ जैन सिद्धांतों से ओतप्रोत अहिंसामय जीवन जीया।

इस दौरान सभी शिविरार्थी पूर्ण अनुशासन का पालन किए। सोना, जगना, प्रतिक्रमण, भोजन सब कुछ निर्धारित समय पर हुआ। सभी ने 8 कालांश में अलग–अलग विषयों पर ज्ञानार्जन कर अपनी दक्षता प्रकट की। 8 कालांश में अध्यात्म, ज्ञान–ध्यान, जीवन जीने की कला, सूत्रों का गहन अध्ययन, जैन धर्म की तलस्पर्शी क्रियाओं के साथ–साथ जैन सिद्धांत बत्तीसी, गति, आरा, श्रावक के 12 व्रतों सहित अन्य विविध विषयों पर तत्त्व ज्ञान प्राप्त किया। शिविरार्थियों ने संस्कार निर्माण, जीवन निर्माण जैसे विशिष्ट संस्कार ग्रहण किए, जो उनको जीवनभर बुराई, हिंसा, वैमनस्य, परिग्रह, व्यसन आदि से बचाकर स्वावलंबी, गुरु समर्पित जीवन जीने की राह प्रशस्त करेंगे। इस शिविर में शिविरार्थियों को 50 से अधिक चारित्रात्माओं का सान्निध्य प्राप्त हुआ। 70 से अधिक टीचर, 600 से अधिक कार्यकर्ता पूरे भारतवर्ष, जिसमें 200 से अधिक स्थानीय कार्यकर्ता शामिल, 150 से अधिक संवर प्रतिदिन, मोबाइल की मर्यादा सहित अनेक प्रत्याख्यान, जीवन परिवर्तनकारी कैंप, साथ ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकॉर्ड में यह शिविर दर्ज हुआ है।

4.4 – नए अंतरराष्ट्रीय संघ का गठन : साधुमार्गी जैन संघ, यूरोप – 23 जून 2024, को लंदन में श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के अंतरराष्ट्रीय संघ संयोजन मंडल के सदस्य श्री जयचंदलाल जी डागा एवं श्री बलवंत जी बंब के निर्देशन, संघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की वर्चुअल अध्यक्षता व निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की प्रत्यक्ष उपस्थिति में यूरोप में निवासरत साधुमार्गी परिवार के सदस्यों की एक सभा लंदन में आयोजित हुई, जिसमें अनेक जन प्रत्यक्ष तथा वर्चुअल उपस्थित हुए।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सभा में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर वहाँ उपस्थित यूरोप के साधुमार्गी परिवारों को अपना परिचय प्रस्तुत कर उन्हें संघ सेवा के कार्यो में आगे आने हेतु आमंत्रित किया एवं अपने मार्गदर्शन से सभा को लाभान्वित किया।

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपने संक्षिप्त सारगर्भित उद्‌बोधन में संघदर्शिका से सभी प्रवृत्तियों के मूल भावों से अवगत कराया। उन्होंने लोगों को संघ द्वारा प्रकाशित पुस्तकें भी भेंट की। महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा, राष्ट्रीय महामंत्री, युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय महामंत्री ने भी वर्चुअल उपस्थित

होकर संघ की गतिविधियों की जानकारी दी।

सभा में प्रत्यक्ष रूप से महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्षा, युवा संघ, मुंबई के उपाध्यक्ष सहित इंग्लैंड, लंदन, वेंबली, स्पेन, पोलैंड, डर्बी, बिलिंगहैम, नीदरलैंड, डबलिन समेत अनेक स्थानों के सम्मानित जन उपस्थित थे। कई सदस्यों व पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष व वर्चुअल उपस्थित होकर सभा में सकारात्मकता का प्रवाह किया। डॉ. चारू जी संखलेचा, लंदन को यूरोप संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

4.5 – तमिलनाडु अंचल प्रवास – दिनांक 30 जून से 3 जुलाई 2024 को संघ पदाधिकारीगण एवं स्थायी सम्पत्ति संवर्धन समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री विमल जी सिपानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनील जी कोठारी, राष्ट्रीय मंत्री श्री गिरीष जी कुकड़ा व कार्यसमिति सदस्यों का तमिलनाडु अंचल के चेन्नई, चिंगलपेट, सिरकाली, मायावरम्, विल्लिपुरम एवं मदुरांतकम आदि शहरों में प्रवास हुआ। प्रवासी दल ने शासन दीपिका महासती श्री दिव्यदेशना श्री जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन–वंदन का लाभ लिया एवं प्रवास के दौरान संघ प्रवृत्तियों की प्रभावना के साथ 'अभिरामम् आनंदम्' हेतु सकल जैन समाज को जोड़ने का आह्वान किया गया। यहाँ 1 नए संघ के गठन के साथ 1 स्थानीय संघ को संघ आबद्धता के लिए पंजीकृत किया गया एवं समता भवन निर्माण प्रवृत्ति में 3 सदस्यों का नामांकन किया गया। विहार सेवा में 1, संघ आजीवन सदस्य 1, इदं न मम 14, महत्तम महोत्सव हेतु 28 एवं 6 महाप्रभावक सदस्यताओं के लिए घोषणाएँ हुई। संघ विकास हेतु स्थानीय संघ के साथ विचार–विमर्श एवं सहभागिता से आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प किया गया।

(संलग्न परिशिष्ट-4)

4.6 – दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरी अंचल प्रवास – दिनांक 4 जुलाई 2024 को एक दिवसीय प्रवास में संघ के शीर्षस्थ पदाधिकारीगण के साथ अंचल के पदाधिकारी, कार्यसमिति, अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चोरड़िया, राष्ट्रीय मंत्री श्री शांतिलाल जी सेठिया एवं स्थानीय संघों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, प्रवासी दल ने चंडीगढ़, पंचकुला, मोहाली एवं लुधियाना क्षेत्रों में प्रवास किया। प्रवास के दौरान महत्तम महोत्सव, समता संस्कार पाठशाला, इदं न मम, दानपेटी, संघ सदस्यता, साहित्य एवं श्रमणोपासक सदस्यता आदि की जानकारी देकर इनसे जुड़ने हेतु आग्रह किया गया। प्रवास के दौरान 2 स्थानीय संघों को केन्द्रीय संघ से आबद्ध किया गया। 1 विहार सेवा सदस्यता, 1 श्रमणोपासक सदस्य, 9 इदं न मम सदस्य, 1 प्रभावक सदस्य एवं 2 महाप्रभावक सदस्य बनने की घोषणा हुई।

(संलग्न परिशिष्ट-5)

4.7 – बीकानेर मारवाड़ अंचल प्रवास – दिनांक 4 से 6 जुलाई 2024 को बीकानेर मारवाड़ अंचल के प्रवास दल ने जेतो मंडी, भटिंडा, रामामंडी, सिरसा, हनुमानगढ़, श्री गंगानगर, गोलुवाला, पीलीबंगा एवं सूरतगढ़ आदि क्षेत्रों में प्रवास किया। संघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पूनमचंद जी सुराणा, राष्ट्रीय मंत्री श्री तनसुख जी गुलेच्छा एवं अंचल के कार्यसमिति सदस्यों की विशेष उपस्थिति में तीन–दिवसीय प्रवास का शुभारम्भ हुआ। प्रवास में संघ की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक जनकल्याणकारी प्रवृत्तियों का प्रचार–प्रसार किया गया। इस दौरान 1 संघ आबद्धता, 1 महत्तम महोत्सव, 4 इदं न मम एवं 2 सदस्यों द्वारा महाप्रभावक सदस्यता की घोषणा की गई।

प्रवास के दौरान प्रवासी दल ने विराजित चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन का लाभ लिया। संघ विकास हेतु स्थानीय संघ के साथ विचार विमर्श एवं सहभागिता से आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प किया।

(संलग्न परिशिष्ट-6)

4.8 – दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरी अंचल प्रवास – दिनांक 12 से 14 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय पदाधिकारियों का तीन दिवसीय प्रवास दिल्ली, महरोली, परासोली आदि क्षेत्रों में संपन्न हुआ। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में संपन्न प्रवास में राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, शिखर सदस्य श्री विमल जी सिपानी एवं श्रीमती कुमुद जी सिपानी, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा और राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा, युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय महामंत्री, दिल्ली–पंजाब अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चोरड़िया , राष्ट्रीय मंत्री श्री शांतिलाल जी सेठिया व कार्यसमिति सदस्यों के साथ दिल्ली संघ के अध्यक्ष, मंत्री, सभी पदाधिकारी व समस्त सदस्य, आस पास के क्षेत्रों से पधारे पदाधिकारी व सदस्य गण शामिल रहे।

प्रभावना के फलस्वरूप 17 लोगों ने महत्तम महोत्सव के लिए धनराशि देने की घोषणा की। इनमें से तीन सदस्यों ने 11–11 लाख रुपये महत्तम महोत्सव में देने की घोषणा की। 2 सदस्यों ने समता भवन निर्माण में 1 प्रतिशत धनराशि व एक सदस्य ने साहित्य की सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की। इसी दिन राणा प्रताप बाग में दिल्ली संघ द्वारा नवनिर्मित 'समता भवन' का लोकार्पण किया गया। प्रवास के दौरान राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने संघ की प्रवृत्तियों के साथ गुरु भगवन् द्वारा दिए आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रवास में स्थानीय संघ के साथ विचार–विमर्श एवं सहभागिता से आगे बढ़ने का संकल्प व्यक्त किया गया।

(संलग्न परिशिष्ट-5)

4.9 – रावतसर भूमि पूजन कार्य – दिनांक 14 जुलाई 2024 को श्री अ.भा.सा.

जैन संघ के अंतर्गत श्री साधुमार्गी जैन संघ, रावतसर में समता भवन के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष चम्पालाल जी डागा द्वारा सम्पन्न हुआ। यहाँ के चलकोई चौक में हुए भूमि पूजन समारोह का शुभारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक गान से हुआ।

शीघ्र ही भवन बनकर तैयार होने पर इस भवन का धार्मिक कार्यों में उपयोग करने के साथ–साथ क्षेत्र के साधुमार्गी परिवारों को संघ की प्रवृत्तियों से जोड़ने का भरपूर प्रयास करें और दानदाताओं व स्थानीय महानुभावों के सहकार से आस–पास के क्षेत्रों में भी समता भवन की शृंखला तैयार करें।

कार्यक्रम में अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पूनमचंद जी सूराणा, स्थानीय संघ अध्यक्ष–मंत्री, पार्षद श्री देवीलाल जी नाथ, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री घनश्याम जी भोपाल, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्रीद नरेश जी सोमानी सहित गंगाशहर, हनुमानगढ़, संगरिया, गोलुवाला, श्रीगंगानगर, पल्लू, मिर्जा वाली आदि अनेक स्थानों के गणमान्यजनों की गरिमामय उपस्थिति रही। समता भवन हेतु भूमि खरीद में श्रीमती सीता देवी जैन का विशिष्ट सहयोग रहा, जिनका कार्यक्रम में सम्मान किया गया।

4.10 – ग्लोबल सामायिक दिवस– चातुर्मासिक स्थापना दिवस को अविस्मरणीय बनाने की दिशा में 20 जुलाई, 2024 दिन रविवार वैश्विक सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। उसके लिए 1,11,111 सामायिक का लक्ष्य रखा गया था। 1,11,111 सामायिक के लक्ष्य के सापेक्ष 96259 सामायिक संपन्न हुई। 20 जुलाई, 2024 को सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक देश–विदेश में की गई सभी सामायिक को इसमें सम्मिलित किया गया है। सर्वाधिक सामायिक मेवाड़ अंचल में हुई।

क्रम संख्या – 5 – प्रवृत्ति प्रगति प्रतिवेदन – महामंत्री जी ने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट के उपरांत विगत तीन माह में प्रवृत्तियों के अंतर्गत हुई अभिवृद्धि को पी.पी. टी. के माध्यम से सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संघ शिखर सदस्यता (प्रस्तावित 1) रही, महाप्रभावक सदस्यता में 14 (प्रस्तावित 3 तथा घोषणा 11), संघ प्रभावक सदस्य में 1, संघ आजीवन सदस्यता में 2, श्रमणोपासक सदस्यता में 36, साहित्य सदस्यता में 14, विहार सेवा सदस्यता में 1 एवं घोषणाएँ 4, इसके साथ ही समता संस्कार पाठशाला में वृद्धि 14 हुई है, इदं न मम में 72 नये सदस्यों की अभिवृद्धि हुई है। समता प्रचार संघ (फाल्गुनी पर्व पर सेवा देने वाले स्वाध्यायी)में 25 नये स्वाध्यायी की वृद्धि हुई, ,आचार्य श्री श्रीलाल उच्च शिक्षा योजना के अन्तर्गत 6 छात्र लाभान्वित हुवे, समता संस्कार शिविर (42 ग्रीष्मकालीन तथा 50 शीतकालीन शिविर) लगे 1 समता भवन लुणकरणसर का पूर्ण हुआ और 4 प्रस्तावित है। 7 संघों ने संघ आबद्धता ग्रहण कर ली है। इसके अतिरिक्ति जैन

संस्कार पाठ्यक्रम, समता मिति, ग्लोबल कार्ड, गुणशील आदि के बारे में भी जानकारी सदन में रखी गई।

क्रम संख्या - 6 - कोर्पस बजट प्रस्तुति : महामंत्री जी ने राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश जी बच्छावत को वर्ष 2023–24 के कोर्पस बजट की प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया। **(संलग्न परिशिष्ट- 7)**

6.1 - राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जी ने कहा कि आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर के अतिशय से संघ के किसी भी कार्य में कोई कठिनाई या बाधा नहीं आती है। साथ ही आपने सदन को बताया कि संघ में दान देने वालों की कमी नहीं है हमारे पुरुषार्थ में कहीं कमी रह रही है। 3–4 अंचलों के प्रवास में दानदाओं ने आगे बढ़कर सहयोग किया। इसके साथ इदं न मम में भी बकाया हेतु दानदाताओं को पत्र भिजवाया गया जिसमें बहुत अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही संघीय व्यवस्था के अंतर्गत वर्ष 2023–24 का कोर्पस बजट आपके समक्ष प्रस्तुत है।

सदन ने जिसकी बहुत-बहुत अनुमोदना की।

क्रम संख्या - 7 - आंचलिक प्रतिवेदन - बजट स्वीकृति के पश्चात् राष्ट्रीय महामंत्री जी ने आंचलिक प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण हेतु मेवाड़ अंचल के राष्ट्रीय मंत्री को आमंत्रित किया।

7.1 - मेवाड़ अंचल- मेवाड़ अंचल के मंत्री श्री सोहनलाल जी पोखरना ने बताया कि अंचल या स्थानीय संघों के पास वही जानकारी व सूचना होती है जो महामंत्री जी ने अपने प्रतिवेदन में जानकारी सदन को करवाई है। आपने बताया कि गुरुदेव की कृपा पूरे मेवाड़ अंचल पर रही है। साथ ही भदेसर में 2 दीक्षाएँ सम्पन्न हुई, इससे पूर्व कस्तुरकंवरजी म.सा. की दीक्षा हुई और 66 दिन का संथारा हुआ था। चितौड़गढ़ में भी 105 पारणे की तपस्या हुवे है, साथ ही अभिमोक्षम् शिविर भी आयोजित हुआ। इस शिविर में हजारों लोगों का सहयोग व मार्गदर्शन रहा और गुरुदेव के अतिशय से शिविर का समापन हुआ। साथ ही गोल्डन वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम अंकित हुआ। इसके साथ ही बेगूँ में भी 7 दीक्षाएँ सम्पन्न हुई। उदयपुर में भी राम आएंगे प्रोगाम आयोजित हुआ।

7.2 - बीकानेर मारवाड़ अंचल – अंचल के अध्यक्ष श्री पूनमचंद जी सूराणा ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि हमारे अंचल में अभिरामम् की सकल जैन समाज में प्रभावना का कार्य गतिमान है। साथ ही आपने बताया कि दानपेटी योजना में अंचल में हर घर दानपेटी लगाने हेतु बहुत प्रयास किया गया है और कार्य गतिमान है। समता भवन निर्माण कार्य भी संगरिया, बालोतरा, रावतसर भूमि पूजन कार्य प्रारम्भ हो गया है। गोलुवाला में बहुत कम परिवार होते हुए भी वहाँ भूमि लेने का कार्य गतिमान है। अध्यक्ष जी से निवेदन है जो क्षेत्र हमारे अंचल में रह गए हैं वहाँ

प्रवास करवाएँ ताकि संघ की गतिविधियों से सभी जुड सकें। प्रवास के दौरान 2 नवीन पाठशाला प्रारम्भ करने की घोषणा हुई है। आपने एक सुझाव भी सदन को दिया कि हमारे संघ का कोई भी बच्चा किसी परीक्षा में टॉप करे या अन्य को विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त हो तो उसका नाम, संक्षिप्त परिचय या बधाई संदेश श्रमणोपासक में प्रकाशित किया जाना चाहिए।

7.3 - जयपुर ब्यावर अंचल – कार्यसमिति सदस्य श्री धर्मीचंद जी रांका, बिजयनगर ने बताया कि महत्तम शिखर के सभी आयामों की प्रभावना का कार्य गतिमान है। दानपेटी योजना के अन्तर्गत ब्यावर व अन्य क्षेत्रों में दानपेटी लगवाई गई। अभिमोक्षम् शिविर में हमारे अंचल से काफी अच्छी उपस्थिति रही। अभिरामम् की भी अंचल में बहुत प्रभावना की गई। इसके अलावा आपने बताया कि हमारे अंचल में कई शिविर व एक्टीविटी करवाई गई जिसमें बच्चों व महिलाओं ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। समय–समय पर महत्तम की सभी एक्टीविटी व परीक्षाओं का भी सफलता से आयोजन हो रहा है।

7.4 - मुम्बई गुजरात यूएई अंचल – अंचल से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अजित जी कांकरिया ने बताया कि गुरुदेव की महती कृपा से महत्तम शिखर की विभिन्न गतिविधियाँ गतिमान है साथ ही तप त्याग की लड़ियों में 115 लड़ियों में अग्रसर है। हमारे अंचल में विशेष ध्यान घर–घर दानपेटी लगवाने व इदं न मम से हर परिवार को जोड़ने पर कार्य किया जा रहा है। हमारे अंचल में 500 नवीन दानपेटी लगवाई गई है और कार्य गतिमान है। साथ ही इदं न मम् में 200 परिवार जुडे है। हमारा लक्ष्य है आगामी वर्ष तक 400 परिवारों को जोड़ा जाएगा। साथ ही आपने सदन का बताया कि जो लक्ष्य आपने हमें दिए हैं हमारा प्रयास रहेगा कि हम उससे दुगना आपको परिणाम दें।

7.5 - कर्नाटक आंध्रप्रदेश अंचल – अंचल के मंत्री श्री विनोद जी पितलिया ने बताया कि संघ की सभी प्रवृत्तियाँ व महत्तम शिखर की सभी गतिविधियाँ हमारे अंचल में बहुत अच्छे से चल रही है। हमारे अंचल में एक नवीन कार्य यह हुआ कि एक शिविर लगाया गया। जिसका नाम उन्नयन (उड़ान मुक्ति की ओर) दिया गया। इस शिविर की विशेष बात यह थी कि शिविरार्थी को 10 दिन तक साधु जीवन जीना था एवं इसमें सभी चारित्रआत्माओं को पत्र भिजवाकर शिविरार्थियों का चयन किया गया। कुल 194 शिविरार्थियों में से छ.ग. से श्री गंभीर जी सांखला के पुरुषार्थ व सहयोग से 64 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर इतना सफल रहा कि इसको फिर से दिसम्बर में लगवाने के भाव है।

7.6 - बंगाल बिहार नेपाल भूटान झारखंड अंचल – अंचल के मंत्री श्री राजीव जी डागा ने सदन को बताया कि कुछ क्षेत्र को छोड़कर हमारे अंचल में क्षेत्र छोटे–छोटे है फिर भी परीज्ञा शिविर आयोजित हुआ। इसके साथ हावड़ा संघ में

भी समता भवन निर्माण कार्य गतिमान है। इस समता भवन को पूर्ण रूप से साधना करने के तर्ज पर निर्मित किया जा रहा है।

7.7 - पूर्वोत्तर अंचल – कार्यसमिति सदस्य श्री जसकरण जी तातेड़ ने सदन को बताया कि हमारा सौभाग्य है कि हमारे अंचल को 3–4 वर्ष बाद चातुर्मास प्राप्त हुआ है। इसके साथ हमारे अंचल में महत्तम महोत्सव की परीक्षाएँ गतिमान है। महावीर जयंती के दिन अभिरामम् की भी प्रेरणा करवाई गई थी।

7.8 - दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरी अंचल – कार्यसमिति सदस्य श्री निर्मल जी मरोठी ने सदन को बताया कि हमारे अंचल में तप त्याग की लड़िया गतिमान है साथ ही महत्तम महोत्सव के सभी गतिविधियाँ भी चल रही है। कुछ समय पहले ही दिल्ली में नवीन समता भवन का उद्घाटन हुआ है। हमारे अंचल में प्रवास भी हुआ जिसमें बहुत ही अच्छी उपस्थिति रही और सभी को संघ की प्रवृत्तियों से अवगत करवाया गया।

7.9 - अन्य उद्बोधन - श्री महावीरजी मेहता निकुंभ ने भी सदन में अपने विचार रखते हुवे कहा कि संघ को हम सभी को मिलकर आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए यह हमारा दायित्व है।

क्रम संख्या - 8 - प्रवृत्तिवार प्रस्तुतिकरण - राष्ट्रीय महामंत्री जी ने प्रवृत्तिवार प्रस्तुतिकरण के अगले क्रम में धर्मपाल बोधिक विकास समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री चन्द्रशेखर जी जैन, नागदा को आमंत्रित किया।

8.1 - धर्मपाल बोधिक विकास समिति- प्रवृत्ति के संयोजक श्री चन्द्रशेखर जी जैन ने बताया कि गुराड़िया गांव में 1 बीघा जमीन प्राप्त हुई है जहाँ नानेश रामेश समता भवन बनाने हेतु पिछली मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से स्वीकृति हेतु आश्वासन प्राप्त हुआ है। जिसके लिए सभी कागजी कार्यवाही गतिमान है। इसके साथ ही धर्मपाल क्षेत्रों में कई बार प्रवास किया गया है। धर्मपाल क्षेत्रों के 70 गांवो में पाठशालाएँ गतिमान हैं जहाँ 1000 से अधिक बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। व प्रयाप्त संख्या में टीचर की भी व्यवस्था की गई है। जैन संस्कार पाठयक्रम की पुस्तके सभी पाठशालाओं में वितरित करने के साथ ही अप्रैल माह में जैन संस्कार पाठ्यक्रम ओपन बुक परीक्षा भी धर्मपाल क्षेत्रों में आयोजित की गई थी।

8.2 - दानपेटी योजना - प्रवृत्ति के संयोजक श्री पूनमचंद जी भूरा ने बताया कि आचार्य भगवन् की महती कृपा है कि भीलवाड़ा संघ को चातुर्मास प्रदान किया। दानपेटी योजना का मुख्य उद्देश्य नियमित दान करने की भावना का विकास करना है। पाँच अंचल में दान पेटी वितरण का कार्य संपन्न हुआ है। छ.ग. अंचल में श्री संतोषजी खटोड़ व उनकी टीम के अथक परिश्रम से 80 संघों में जाकर दानपेटी लगवाने का कार्य किया गया। अन्य संघ में भी कार्य बहुत ही अच्छा रहा। तीन माह में 3500 हजार से अधिक दानपेटी लगाई जा चुकी है और पूरे देश में कुल 8240

दानपेटियाँ लगवाई जा चुकी हैं। दुबई संघ में भी दानपेटी लगाने का कार्य पूर्ण हुआ है। उन्होंने सदन से भी निवेदन किया की अपने क्षेत्र के घरों में तो अवश्य दानपेटी लगवाएँ और साथ ही उनके द्वारा अंचलवार दानपेटी व प्राप्त राशि के डाटा से सदन को अवगत कराया गया।

8.3 – नवीन साहित्य विमोचन – साधुमार्गी पब्लिकेशन संयोजक श्री सुनील जी बम्ब ने सदन को बताया कि हमारे संपादकीय विभाग द्वारा रामदर्शन सिरीज 5,6,7 तैयार है। सम्यक पर 3 पुस्तकें, देखो प्राणी कष्ट न पाए, माटी कहे कुम्हार से आदि पुस्तकें तैयार है। ये सभी पुस्तके जल्द प्रकाशित होने वाली हैं। साथ ही आगम विभाग से एक पुस्तक नरक कोष भी जल्द प्रकाशित होने वाली है जिसकी जानकारी हेतु पुष्पा जी छल्लाणी को आमंत्रित किया। आप ने पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा कि यह पुस्तक अपने आप में यूनिक है। इस पुस्तक में 32 आगमों में जो भी नरक की जानकारी उपलब्ध है वह सभी इसमें प्राप्त होगी।

श्री सुनील जी बंब ने बताया कि संघ द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन आज किया जाना है। आपने दोनों पुस्तकों का सार सदन के समक्ष रखते हुए बताया कि उनमें से एक **शान्त सुधारसः** पुस्तक के अर्थ सहयोगी श्रीमती अनुपमा जी जैन, इन्दौर एवं डॉ. सुनील एम. जैन हैं। दूसरी **जैनिज्म** पुस्तक का भी विमोचन किया जा रहा है। पूर्व एवं वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, पदाधिकारीगण, शिखर सदस्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, कार्यसमिति सदस्यगण, भीलवाड़ा संघ के अध्यक्ष/मंत्री सहित आमंत्रित हैं। उपस्थित पदाधिकारियों एवं विशिष्टजनों ने नवकार मंत्र के जाप के साथ पुस्तक का विमोचन किया।

8.4 – जैन संस्कार पाठ्यक्रम – पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पुखराज जी बोथरा ने सदन को बताया कि जैन संस्कार पाठ्यक्रम की परीक्षा हेतु नीतू जी लोढ़ा बहुत ही मेहनत कर रही हैं। हम सभी को अपने संघों में परीक्षा करवानी चाहिए। समता संस्कार पाठशाला, शिविर व जैन संस्कार पाठयक्रम परीक्षाएँ यह तीनों संघ की नींव हैं। नींव मजबूत होने पर ही संघ मजबूत होगा। इसमें सभी परिवारों को जोड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। एक सुझाव देते हुए आपने कहा कि कोई भी कार्यकारिणी का सदस्य बनता है तो उसको संकल्प लेना चाहिए कि वह 1 सामायिक प्रतिदिन अवश्य करेगा। अगर नियमित सामायिक व प्रतिक्रमण हम नहीं करेंगे तो आगे सदस्यों को समझाना व भावी पीढ़ी को क्रियावान व संस्कारवान कैसे बना पाएंगे। सदन से निवेदन किया कि सभी जैन संस्कार पाठ्यक्रम की प्रभावना करावें और परीक्षा दिलावें।

8.5 – भीलवाड़ा संघ अध्यक्ष उद्बोधन – श्री बलवंत जी रांका ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आचार्य भगवन् की अनुकम्पा है, जो आप सभी का

भीलवाड़ा संघ में आगमन हुआ है। देश के कोने–कोने से पधारे सभी सदस्यों का स्वागत–अभिनंदन करते हुए आपने कहा कि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष व वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष का सहयोग रहा है साथ ही पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का आशीर्वाद व मार्गदर्शन मिलता रहा है। साथ ही उन्होने बताया कि भीलवाड़ा संघ शौभाग्यशाली है कि हमें चातुर्मास प्राप्त हुआ। साथ ही दीक्षाओं व शिविरों का प्रसंग लगा हुआ है तो भीलवाड़ा संघ आप सभी के सहयोग व अच्छे मार्गदर्शन की अप्रेक्षा रखता है।

8.6 – महिला समिति राष्ट्रीय अध्यक्षा जी उद्‌बोधन – श्रीमती पुष्पा जी मेहता ने अपने उद्‌बोधन में संघ की गौरवगाथा बताते हुए कहा कि महिला समिति द्वारा 45 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं हेतु ''**स्वर्ण कुंभ**'' नाम से प्रकल्प लाया गया है। इस शिविर के माध्यम से हमारी नई पीढी को संघ से जुड़ने, अहोभाव में वृद्धि करने, संघ सर्मपणा एवं संघ को उचाइयों तक पहुँचाने में सहयोग प्रदान करेगा।

8.7 – गुणशील प्रवृत्ति – श्री विरेन्द्र जी गेलड़ा ने सदन को संघ की महत्ता बताते हुए सभी को एकजुट होकर संघ के कार्य करने व आचार्यश्री के आयामों को घर–घर तक पहुँचाने का निवेदन किया। एक दूसरे का साथ देकर संघ का कार्य करने व सभी को सहयोग कर कार्य करने का निवेदन सदन से किया।

8.8 – श्रमणोपासक प्रवृत्ति – श्रीमती मोनिका जी ओस्तवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आप सभी को विदित है कि आचार्यश्री के 50वें दीक्षा दिवस को स्वर्णिम बनाने हेतु महत्तम महोत्सव अपने शिखर पर है। इसी श्रृंखला में मुख पत्र श्रमणोपासक द्वारा '**अपने आचार्य देव को जानें**' नामक कॉलम प्रतिमाह प्रकाशित किया जा रहा है। इसके साथ ही पिछले 1 वर्ष के सभी अंकों का नाम महत्तम के नाम से दिया जा रहा है। साथ ही पाठकों व समय की मांग को भी देखते हुवे कुछ विषय जैसे भगवन् के चिंतन व अन्य अंग्रेजी में भी दिए जाते हैं। श्रीमती कंचनदेवी कांकरिया द्वारा संकलित श्रीमद् प्रज्ञापना सूत्र के प्रश्न उत्तर भी धार्मिक अंक में दिए जाते हैं। आप सभी से निवेदन है कि आपके क्षेत्र में होने वाली धार्मिक, सामाजिक, शिविर व अन्य जानकारी प्रकाशन हेतु अवश्य प्रेषित करें। वर्तमान में प्रति अंक 25 हजार के लगभग श्रमणोपासक प्रकाशित हो रही है। श्रमणोपासक प्रकाशन जब से प्रारम्भ हुआ है तब से अंतिम अंक तक सभी को स्कैन करवाने का भी चिंतन जारी है।

क्रम संख्या – 9 – श्रमणोपासक रजिस्टर्ड बुक पोस्ट से भेजने व 1100 से कम दानराशि वाले दानदाताओं का नाम श्रमणोपासक में नहीं देने हेतु , केडिट कार्ड व अन्य प्रस्ताव – राष्ट्रीय महामंत्री जी ने बताया कि श्रमणोपासक के संबंध में शिकायतों को दूर करने पर एक नवीन चिंतन लाया जा रहा है। इसकी विस्तृत जानकारी के लिए श्रमणोपासक टीम से श्री मनोज जी डागा की आमंत्रित किया।

9.1 – श्री मनोज जी डागा ने सदन को बताया कि हमें अक्सर संघ में या

प्रवास में यह समाचार प्राप्त होते हैं की श्रमणोपासक नहीं प्राप्त हो रही। इस समस्या के समाधान स्वरूप हमने पोस्ट ऑफिस में बात की और रजिस्टर्ड बुक पोस्ट से श्रमणोपासक भिजवाने हेतु बात की गई, वहाँ 12 से 16 रुपये प्रति कॉपी का खर्च आने की संभावना है। इस संबंध में आप सभी के सुझाव अपेक्षित है।

9.2 – राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सदन को बताया कि बहुत सी श्रमणोपासक पहुँच नहीं रही है, अगर वह वेस्ट हो रही है तो ज्ञानावरणीय कर्म का दोष हम सब को लगता है। आप सभी कार्यसमिति सदस्यों से निवेदन है कि आप अपने अंचल में थोड़ा पुरुषार्थ करें कि कहा श्रमणोपासक का अपव्यय हो रहा है, किसी का पता अपूर्ण है या अन्य कोई भी कारण होने पर आप कार्यालय में सूचित करे ताकि जितना यह खर्च कम होगा उस खर्च को हम रजिस्टर्ड बुक पोस्ट में लगा सकेंगे इसी भावना के साथ यह प्रस्ताव आपके सामने प्रस्तुत किया गया है।

9.3 – पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पुखराज जी बोथरा ने चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बताया कि श्रमणोपासक के समाचार अंक में 4 पेज चारित्रात्माओं के विहार के आते है जो हमें 1 माह बाद प्राप्त होते हैं उसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

9.4 – राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सदन के समक्ष अगला प्रस्ताव रखा कि 500 रुपये या उससे अधिक दान देने वाले दानदाताओं के नाम श्रमणोपासक में दिए जाते हैं। समय को देखते हुए व प्राप्त सुझाव के अनुसार हम इस राशि को बढ़ाकर 1100 रुपये करने का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखते हैं।

9.5 – राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सदन को बताया कि संघ के नाम से क्रेडिट कार्ड लेने की आवश्यकता है। हमने बैंकों से बात भी की है सदन स्वीकृति प्रदान करे तो हम संघ के नाम से क्रेडिट कार्ड जारी कराने की प्रक्रिया पूरा करें।

9.6 – राष्ट्रीय महामंत्री जी ने प्रस्ताव रखा कि हम संघ के 2014 से पहले के खाते व रिकॉर्ड हटाना चाहते हैं, आयकर विभाग में भी 7 वर्ष तक के ही खातों की आवश्यता होती है। अतः जरूरी फाईलो को छोडकर पुरानी रसीदें व वाउचर हटाने हेतु सदन की स्वीकृति की आवश्यकता है। साथ ही भविष्य में भी 10 वर्ष से अधिक पुराने एकाउंट को न रखने का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव पर निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सुझाव दिया कि अभिस्वीकृति लेवे कि सदन ने 10 वर्ष से अधिक पुराने डाटा हटाने का प्रस्ताव पास किया है। ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।

सदन ने हाथ उठाकर सभी प्रस्तावों पर अपनी सहमति प्रदान की।

क्रम संख्या – 10 – इदं न मम सदस्यता राशि बढ़ाने हेतु प्रस्ताव – राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सदन को बताया इदं न मम की सदस्यता राशि कम से कम 2100 रुपये किया जाने का प्रस्ताव आपके समक्ष रखना चाहते है इस हेतु सहमति प्रदान

करें।

सदन ने हाथ उठाकर प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान की।

क्रम संख्या - 11 - अन्य विषय – महामंत्री जी ने अध्यक्ष जी की अनुमति से अन्य विषय पर चर्चा प्रारम्भ करते हुए सभी प्रवृत्ति संयोजकों व कार्यक्रम आयोजकों से निवेदन किया कि बिना संपादक मण्डल की अनुमति किसी के नाम व फोटो श्रमणोपासक में देने की घोषणा न करें। इसके साथ महामंत्री जी ने कार्यसमिति सदस्यों से भी निवेदन किया कि बहुत से कार्यसमिति सदस्यो ने अभी तक संघ साधारण सदस्यता या आजीवन सदस्या नहीं प्राप्त की है अतः आज ही संघ की सदस्यता लेवें। महामंत्री जी ने सदन को बताया कि संघ के रजिस्ट्रेशन में अधिक मेंबर होने के कारण पोर्टल में अप्डेट की समस्या आ रही है। जिसके लिए सिर्फ 4 राष्ट्रीय पदाधिकारी, निवर्तमान अध्यक्ष/महामंत्री जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, 30 कार्यकारिणी की सूची रहेगी। यह कॉपी सिर्फ सरकारी विभाग हेतु ही है, बाकि संघ में सभी यथावत ही रहेगा। साथ ही देव स्थान विभाग में भी रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होने वाला है जिसके अन्तर्गत संघ की जितनी भी प्रोपटी उसके ब्लू प्रिंट की कॉपी देनी होगी व सभी के टेक्स जमा की कॉपी का रिकोर्ड रखना होगा। वहाँ भी संविधान की कॉपी की आवश्यकता रहेगी। आप सभी की स्वीकृति हो तो उस पर कार्यवाही शुरु करने के भाव है।

महामंत्री जी ने कहा कि आंचलिक पदाधिकारी योजना बनाएँ और आप स्वयं भी आस पास के अंचल के उपाध्यक्ष/मंत्री को प्रवास हेतु आमंत्रित कर के प्रवास कर सकते है। आपको जहा भी प्रवास करना है रूपरेखा बनाए हमें 1 माह पूर्व सूचित करें, और किसी न किसी केन्द्रिय पदाधिकारी का आपके प्रवास में जरूर आने का प्रयास रहेगा। इसके साथ ही अंचलवार श्रमणोपासक सूची मांगी गई थी, साथ ही संघ आबद्धता, इदं न मम, दानपेटी, पाठशाला व अन्य भी बहुत प्रवृत्तियों की जानकारी सभी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्रीयों को भिजवा दी जाएगी। इससे आपको सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाएगी की आपको अपने अंचल में कहाँ क्या कार्य करना है।

महामंत्री जी ने "**आरोग्य बोहि लाभं**" की गतिविधियों पर चर्चा हेतु किशोर जी कर्णावट को आमंत्रित किया।

क्रम संख्या - 12 - आरोग्य बोहि लाभं – श्री किशोर जी कर्णावट ने गुरुदेव का स्मरण करते हुए बताया कि लाभं में हो रहे धार्मिक कार्य उस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लाभं में व्यवस्थित लाइब्रेरी है जिसमें 45 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। इन्हे श्रावक–श्राविकाएँ पढ़कर ज्ञानवान बन रहे हैं। इसके साथ "**आई जैन माई जैन**" शिविर जो काफी समय से लाभम् के माध्यम से आयोजित

किया जाता है उनका मूल उद्देश्य बच्चियों में संस्कारों का निर्माण करना है। इसके साथ एक उपकरण का स्वरूप बनाया गया है जिसमें सामायिक पोशाक, आसन, मुह पत्ती ऐसे सारे उपकरण रखते है जिसका लाभ सभी ले रहे है और किसी संघ में स्टॉल की आवश्यकता होने पर स्टॉल भी लगवाई जा सकती है। साथ ही लाभम् में एक गौ शाला का भी निर्माण किया गया है। जिससे दुघ, घी भी उपलब्ध करावाया जाता है। आप सभी से निवेदन है आप सभी अपनी सहभागिता लाभम् में देवे और कोई सुझाव व मार्गदर्शन हो तो अवश्य अवगत करावें।

क्रम संख्या - 13 - निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्बोधन – निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतम जी रांका ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें संघ आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त आयामों व संघ प्रवृत्तियों को संघ के प्रत्येक सदस्य तक पहुँचाना है वह चाहे देश में हो चाहे विदेश में। हमें कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाते हुए समग्र प्रयासों के साथसंघ को आगे बढ़ाना है। हमारे महापुरुष हमारे लिए क्या–क्या नहीं करते तो हमें भी संघ के लिए ऐसा कार्य करना है जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियाँ संघ की प्रगति देख खुद को गौरवान्वित महसूस करें।

क्रम संख्या - 14 - राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्बोधन – राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आचार्य भगवन् की अनुकम्पा है, जो आप सभी का भीलवाड़ा संघ में आगमन हुआ है। देश के कोने–कोने से पधारे सभी सदस्यों का स्वागत–अभिनंदन करते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा यह संघ हम सभी का साझा संघ है, अतः कार्य भी मिलकर करना होगा। इसके लिए हम सभी को डायरी में अपने कार्यकाल के कार्य व अनुभव लिखने होंगे जिससे आने वाली पीढ़ी को भी अपने अनुभव साझा कर सकें। हमें दानपेटी व इदं न मम प्रवृत्ति में तेज गति से कार्य करना है। हर्ष का विषय यह है कि हमारे 50 प्रतिशत से अधिक घरों में दानपेटी लग चुकी है इसी प्रकार हमें पुरुषार्थ कर हर घर को इदं न मम से भी जोड़ना है। इस दिशा में और अधिक सकारात्मक कार्य करने हेतु सदन से मेरा विशेष आग्रह है। साथ ही धर्मपाल क्षेत्र के बच्चे भी पाठशालाओं के माध्यम से निरन्तर संस्कारी हो रहे है। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि साधुमार्गी परिवार के प्रत्येक घर को दानपेटी व इदं न मम से जोड़ें। उन्होंने सदन से निवेदन किया है आप दिन में कुछ समय निकाल कर कॉल आदि के माध्यम से अपने अंचल में सम्पर्क में रहें, ताकि उनको भी अपने कार्य व दायित्व का बोध रहे। श्रमणोपासक की प्रत्येक प्रति सही हाथों में प्राप्त हो, इसके लिए श्रमणोपासक की पूरी टीम प्रयासरत है और इस लक्ष्य को लेकर निर्णय लिए जा रहे हैं। आज बैठक में पधारे हुए पूर्व गणमान्य पदाधिकारी, वर्तमान पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य भीलवाड़ा संघ के पदाधिकारीयों और देश भर से पधारे हुए महानुभावों का आभार एवं

अभिनंदन करते हैं, जिन्होने महत्वपूर्ण समय निकालकर संघ विकास की इस चर्चा में अपनी सहभागिता की है।

क्रम संख्या - 15 - राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष द्वारा आभार ज्ञापन - संघ के राष्ट्रीय सह–कोषाध्यक्ष महादेव जी भंसाली ने बैठक के अंत में सभी सहभागी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार ज्ञापित किया। इसी क्रम में उन्होंने बैठक हेतु देशभर से पधारे कार्यसमिति सदस्यों एवं महानुभावों के लिए आवास, भोजन, परिवहन तथा इवेंट मैनेजमेंट के सुव्यवस्थित कार्य संपादन हेतु श्री साधुमार्गी जैन संघ, भीलवाड़ा के सभी पदाधिकारियों, उनकी टीम व सदस्यों का आभार ज्ञापित किया।

क्रम संख्या - 16 - चारित्र आत्माओं के देवलोकगमन पर 4-4 लोगस्स का ध्यान - महामंत्री जी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि विगत समय में संथारा साधिका साध्वी श्री रामकस्तुरश्री जी म.सा., साध्वी सम्यकश्री जी म.सा, श्री सूर्यप्रभ मुनि जी म.सा., साध्वी श्री जिज्ञासाश्री जी म.सा. व पर्याय ज्येष्ठ श्री नरेन्द्र मुनि जी म.सा. के देवलोगमन के रूप में संघ को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके देवलोकगमन पर सदन सामूहिक 4–4 लोगस्स का ध्यान करे।

क्रम संख्या - 17 - समापन – महापुरुषों की जय–जयकार एवं संघ समर्पणा गीत की पंक्तियों के सामूहिक गान के साथ कार्यसमिति बैठक का समापन हुआ।

*****

उपस्थित केन्द्रीय पदाधिकारी
श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

परिशिष्ट -1

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री नरेन्द्र जी गांधी	जावद	राष्ट्रीय अध्यक्ष
2.	श्री सुरेश जी बच्छावत	बीकानेर	राष्ट्रीय महामंत्री
3.	श्री राजेश जी बच्छावत	वीरगंज	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
4.	श्री महादेव जी भंसाली	गंगाशहर	राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष
5.	श्री गौतम जी रांका	मुम्बई	निवर्तमान–राष्ट्रीय अध्यक्ष
6.	श्री प्रकाशचन्द जी चपलोत	निम्बाहेड़ा	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मेवाड़)
7.	श्री पूनमचन्द जी सुराणा	सूरतगढ़	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (बीकानेर मारवाड़)
8.	श्री श्रेणिक जी नाहर	ब्यावर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जयपुर ब्यावर)
9.	श्री अजित जी चेलावत	जावद	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मध्यप्रदेश)
10.	श्री सुरेश जी दक	मैसूर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (कर्नाटक आंध्रप्रदेश)
11.	श्री अजित जी कांकरिया	सूरत	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मुम्बई गुजरात यू.ए.ई)
12.	श्री मनोज जी डागा	कोलकाता	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (बंगाल बिहार ने. भू.)
13.	श्री दिलीप जी कोटड़िया	दिल्ली	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दिल्ली पंजाब हरियाणा)
14.	श्री सोहनलाल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	राष्ट्रीय मंत्री (मेवाड़)
15.	श्री तनसुख जी गुलेच्छा	जोधपुर	राष्ट्रीय मंत्री (बीकानेर मारवाड़)
16.	श्री प्रवीण जी खेतपालिया	ब्यावर	राष्ट्रीय मंत्री (जयपुर ब्यावर)
17.	श्री कमल जी पिरोदिया	रतलाम	राष्ट्रीय मंत्री (मध्यप्रदेश)
18.	श्री विनोद जी पितलिया	हैदराबाद	राष्ट्रीय मंत्री (कर्नाटक)
19.	श्री विमल जी गुलेच्छा	अहमदाबाद	राष्ट्रीय मंत्री (मुम्बई गुजरात)
20.	श्री रमेश जी संखलेचा	धुलिया	राष्ट्रीय मंत्री (महराष्ट्र विदर्भ खानदेश)
21.	श्री राजीवकुमार जी डागा	इस्लामपुर	राष्ट्रीय मंत्री (बंगाल बिहार)
22.	श्री सुशील जी कांकरिया	सिलचर	राष्ट्रीय मंत्री (पूर्वोत्तर अंचल)
23.	श्री शांतिलाल जी सेठिया	लुधियाना	राष्ट्रीय मंत्री (दिल्ली पंजाब हरि. उत्तरी)
24	श्रीमती मोनिका जी ओस्तवाल	ब्यावर	श्रमणोपासक–सह संपादक
25.	श्री सुनील जी बम्ब	टोंक	संयोजक–साधुमार्गी पब्लिकेशन
26.	श्रीमती नीतू जी लोढा	मदुरांतकम	संयोजक–जैन संस्कार पाठ्यक्रम
27.	श्री शौकीन जी मुणोत	नीमच	संयोजक–विहार सेवा संयोजन मण्डल
28.	श्री वीरेन्द्र जी गेलड़ा	हावड़ा	संयोजक–गुणशील
29.	श्री प्रतीक जी सूर्या	उज्जैन	संयोजक–समता सेवा सोसायटी
30.	श्री महेश जी नाहटा	नगरी	श्रमणोपासक साहित्य सदस्यता
31.	श्री किशोर जी कर्णावट	बेंगलुरु	संयोजक– महत्तम महोत्सव
32.	श्री अतुल जी पगारिया	जावरा	संयोजक–समता संस्कार शिविर
33	श्री राजू जी बरड़िया	हिन्दमोटर	संयोजक–संघ सदस्यता अभियान
34	श्री अजय जी डागा	कोलकाता	संयोजक –जीवदया प्रकोष्ठ

35.	श्री पूनमचन्द जी भूरा	भीलवाड़ा	संयोजक–दानपेटी
36.	श्री चन्द्रशेखर जी जैन	नागदा जं.	धर्मपाल संस्कार एवं बौद्धिक विकास समिति
37.	श्री मदनलाल जी पारख	राजनांदगांव	संयोजक– वीर सेवा

कार्यसमिति सदस्य

मेवाड़ अंचल

क्र.	नाम	शहर	क्र.	नाम	शहर
1.	श्री सुनील जी मेहता	उदयपुर	2.	श्री सुनील जी चण्डालिया	कपासन
3.	श्री प्रकाश जी जारोली	बम्बोरा	4.	श्री संजय जी नलवाया	प्रतापगढ़
5.	श्री अशोक जी चण्डालिया	चित्तौड़गढ़	6.	श्री विद्यासागर जी सुराणा	भीलवाड़ा
7.	श्री संजय जी वया	उदयपुर			

बीकानेर मारवाड़ अंचल

1.	श्री सुनीलकुमार जी जैन	गोलूवाला	2.	श्री विमलचन्द जी बरड़िया	रावतसर
3.	श्री सुमेरमल जी छाजेड़	जोधपुर			

जयपुर ब्यावर अंचल

1.	श्री निहालचन्द जी कोठारी	ब्यावर	2.	श्री धर्मीचन्द जी रांका	बिजयनगर
3.	श्री निर्मल जी गुलेच्छा	ब्यावर	4.	श्री रतनलाल जी सांखला	अजमेर
5.	श्री जितेन्द्र जी गांग	मसूदा	6.	श्री नरेन्द्र जी जैन	बजरिया
7.	श्री विनयचन्द जी चोपड़ा	जयपुर	8.	श्री धर्मीचन्द जी ओस्तवाल	ब्यावर

मध्य प्रदेश अंचल

1.	श्री मनोज जी पिपाड़ा	बिरमावल	2.	श्री सचिन जी खारीवाल	जावरा
3.	श्री अभय जी चोपड़ा	रतलाम	4.	श्री बाबूलाल जी पितलिया	मंदसौर
5.	श्री राजीव जी सूर्या	उज्जैन	6.	श्री पारसमल जी ओसवाल	नीमच

छत्तीगढ़ ओड़िसा अंचल

1.	श्री प्रमोद जी चोपड़ा	संबलपुर	2.	श्री सुरेश जी चोरड़िया बालाघाट	

तमिलनाडु अंचल

1.	श्री अनिल जी चोरड़िया	चेन्नई	2.	श्री अजितकुमार जी नागोरी	चेन्नई

मुम्बई गुजरात अंचल

1.	श्री सुभाष जी नागोरी	मुम्बई	2.	श्री संजयकुमार जी तातेड़	बारडोली
3.	श्री अशोक जी माण्डोत	सूरत	4.	श्री उमेशकुमार जी मेहता	सूरत
5.	श्री सुरेन्द्र जी कोठारी	अहमदाबाद			

बंगाल बिहार नेपाल भूटान अंचल

1.	श्री विशाल जी बरड़िया	कोलकाता	2.	श्री प्रवीण जी पटवा	हावड़ा

पूर्वोत्तर अंचल					
1.	श्री झंवरलाल जी कुम्भट	सिलचर	2.	श्री जसकरण जी तातेड़	करीमगंज
दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरी अंचल					
1.	श्री निर्मल जी मरोटी	लुधियाना	2.	श्री लालचन्द जी बाघमार	मेरठ
3.	श्री मनीष जी डागा	दिल्ली			

विशेष आंमत्रित सदस्य

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री पुखराज जी बोथरा	अहमदाबाद	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
2.	श्री राजकुमार जी नाहर	जयपुर	नियामक परिषद्–प्रमुख
3.	श्री नवरतन जी ओस्तवाल	ब्यावर	सदस्य– नियामक परिषद्
4.	श्री प्रकाश जी गांधी	नैत्रांग	सदस्य– नियामक परिषद्
5.	श्री सम्पतलाल जी रांका	मुम्बई	पूर्व महामंत्री
6.	श्री विमल जी सिपानी	बेंगलुरु	शिखर सदस्य/संयोजक– स्थायी सम्पति संवर्द्धन
7.	श्रीमती पुष्पा जी छल्लाणी	नई दिल्ली	आगम एवं तत्व प्रकाश समिति
8.	श्री गंभीरमल जी सांखला	नयापारा राजिम	सहसंयोजक– संघ आबद्धता एवं निर्वाचन समिति
9.	श्री बाबूलाल जी कांकरिया	नोखा	संयोजक दानपेटी– बीकानेर मारवाड़ अंचल
10.	श्री अशोक जी जैन	दलौदा	संयोजक दानपेटी– मध्य प्रदेश अंचल
11.	श्री उमेशकुमार जी मेहता	सूरत	संयोजक दानपेटी– मुम्बई गुजरात अंचल
12.	श्री राजेन्द्र जी बैद	नागपुर	संयोजक दानपेटी– महाराष्ट्र विदर्भ खानदेश अंचल
13.	श्री वृद्धिचन्द जी कोठारी	बेंगू	इदं न मम– संयोजन मण्डल मेवाड़ अंचल
14.	श्री उत्तमचन्द जी श्री श्रीमाल	ब्यावर	इदं न मम– जयपुर ब्यावर अंचल
15.	श्री प्रितेश जी गादिया	रतलाम	इदं न मम– संयोजन मण्डल मध्य प्रदेश अंचल
16.	श्री संजय जी पावेचा	उज्जैन	धर्मपाल संस्कार एवं बौद्धिक विकास समिति– संयोजन मण्डल
17.	श्री निर्मल जी चपलोत	नागदा जंक्शन	धर्मपाल संस्कार एवं बौद्धिक विकास समिति– संयोजन मण्डल
18	श्री तेजकुमार जी तातेड़	इन्दौर	समता संस्कार शिविर संयोजन मंडल

19.	श्री रमेशचन्द्र जी नागोरी	चित्तौड़गढ़	विशेष आमंत्रित सदस्य
20.	श्री महावीर जी मेहता	निकुंभ	विशेष आमंत्रित सदस्य
21.	श्री सुमीत जी नान्देचा	नीदरलैण्ड	विशेष आमंत्रित सदस्य
22.	श्री नेमीचन्द जी आंचलिया	बेंगू	विशेष आमंत्रित सदस्य
23.	श्री धीरज जी नाहर	बेंगू	विशेष आमंत्रित सदस्य
24.	श्री वीरेन्द्र जी कांठेड़	बेंगू	विशेष आमंत्रित सदस्य
25.	श्री संजय जी बोरा	नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित सदस्य
26.	श्री झमकलाल जी चोरड़िया	खाचरौद	विशेष आमंत्रित सदस्य
27.	श्री बलवंतसिहं जी रांका	भीलवाड़ा	विशेष आमंत्रित सदस्य
28.	श्री मणिलाल जी घोटा	रतलाम	विशेष आमंत्रित सदस्य
29.	श्री अरविंद जी रूपावत	मंदसौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
30.	श्री नरेन्द्र जी चौधरी	मंदसौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
31.	श्री अमचन्द जी	भीलवाड़ा	
32.	श्री प्रकाशचन्द जी मेहता	बड़ी सादड़ी	विशेष आमंत्रित सदस्य
33.	श्री राकेश जी बुच्चा	कोलकाता	विशेष आमंत्रित सदस्य
34.	श्री अभय जी मोदी	भदेसर	विशेष आमंत्रित सदस्य
35.	श्री महेन्द्र जी खटोड़	भदेसर	विशेष आमंत्रित सदस्य
36.	श्री कोमल जी संखलेचा	भदेसर	विशेष आमंत्रित सदस्य
37.	श्री दिलीप जी चोरड़िया	हावड़ा	विशेष आमंत्रित सदस्य
38.	श्री विजयकुमार जी टंच	बदनावर	विशेष आमंत्रित सदस्य
39.	श्री शांतिलाल जी रांका	जयनगर	विशेष आमंत्रित सदस्य
40.	श्री जसकरण जी भंडारी	कपासन	विशेष आमंत्रित सदस्य
41.	श्री सुनीलकुमार जी जैन	बम्बोरा	विशेष आमंत्रित सदस्य
42.	श्रीमती ज्योति जी रूपावत	इन्दौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
43.	श्रीमती आभा जी डूंगरवाल	इन्दौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
44.	श्री अशोककुमार जी गांधी	कांकरोली	विशेष आमंत्रित सदस्य
45.	श्री सागरमल जी मारू	कांकरोली	विशेष आमंत्रित सदस्य
46.	श्री सुरेश जी बोरदिया	मुम्बई	विशेष आमंत्रित सदस्य
47.	श्री सुरेन्द्र जी संखलेचा	भीलवाड़ा	विशेष आमंत्रित सदस्य

संघ सदस्यता

परिशिष्ट -2

संघ शिखर सदस्यता (सौजन्य से)

1.	श्री विजय कुमार जी टंच	बदनावर	(प्रस्तावित)
2.	श्रीमती कमलादेवी चोरड़िया	बालाघाट	(प्रस्तावित)
3.	श्री प्रतीक जी सूर्या	उज्जैन	(घोषणा)

संघ महाप्रभावक सदस्यता (पूर्ण राशि सौजन्य से प्राप्त)

1.	श्री कुसुम जी टंच	बदनावर	

संघ महाप्रभावक सदस्यता (प्रस्तावित सौजन्य से)

1.	श्रीमती कमला कंवर कोठारी	चेन्नई	
2.	श्री पूनम चंद जी सुराणा	सूरतगढ़	
3.	श्रीमती गुलाब देवी बोथरा	पंचकुला	
4.	श्री रजत जी मूथा	जयपुर	
5.	श्री सुगनचंद जी धोका	चेन्नई	
6.	श्रीमती लीला देवी बंब	चेन्नई	
7.	श्री प्रेमचंद जी कोठारी	चेन्नई	
8.	श्री पदम कुमार जी बांठिया	चेन्नई	

संघ महाप्रभावक सदस्यता (धोषणाएँ सौजन्य से)

1.	श्री निर्मल जी मरोठी	लुधियाना	
2.	श्रीमती जमना देवी लूणावत	नोखागांव	
3.	गुप्त नाम	चेन्नई	
4.	श्री तेजकरण जी लुनावत	काठमांडू	
5.	श्री कांतिलाल जी छाजेड़	रतलाम	
6.	श्रीमती मंजू देवी कटारिया	रतलाम	
7.	श्री सुशील कुमार जी गोरेचा	रतलाम	

विहार सेवा संयोजन सदस्यता (सौजन्य से प्राप्त)

1.	श्रीमती प्रेमलता जी कांकरिया	नोखा	
2.	श्रीमती ढेलाबाई संचेती	दुर्ग	
3.	श्री उगमचंद जी कोठारी	चेन्नई	
4.	श्रीमती रत्नी देवी लुनावत	लुधियाना	

संघ आजीवन सदस्य

1.	श्री रवीन्द्र जी गांधी	नागपुर	2.	श्री पवन जी कटरेला	विल्लुपुरम
3.	श्री सुमित जी नांदेचा	बिरमावल			

संघ प्रभावक सदस्य

1.	श्री शांतिलाल जी सेठिया	लुधियाना		

प्रवास घोषणाएँ परिशिष्ट -3

जयपुर ब्यावर अंचल का 3 दिवसीय प्रवास- 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि (सौजन्य से)
1.	संघ महाप्रभावक सदस्यता	1 सदस्य	11 लाख रुपये
2.	महत्तम महोत्सव	3 सदस्य	2,73,000 रुपये

अन्य विशेष:-

1. बजरिया संघ ने संघ आबद्धता हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। परिशिष्ट -4

प्रवास घोषणाएँ

तमिलनाडु अंचल का 4 दिवसीय प्रवास- 30 जुन व 1 से 3 जुलाई 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि (सौजन्य से)
1.	समता भवन निर्माण समिति	3 सदस्य	1 व 2 प्रतिशत
2.	संघ महाप्रभावक सदस्यता	6 सदस्य	66 लाख रुपये
3.	महत्तम महोत्सव	28 सदस्य	66,78,000 रुपये
4.	विहार सेवा सदस्यता	1 सदस्य	1 लाख रूपये
5.	इदं न मम	14 सदस्य	1,78,111 रुपये
6.	संघ आजीवन सदस्य	1 सदस्य	5000 रुपये

अन्य विशेष:-

1. मदुरांतकम संघ ने संघ आबद्धता हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।
2. श्री देवीलाल जी कमलेश जी मनीष जी रोहित जी ऋषि जी रांका चेन्नई ने 2 प्रतिशत व श्री नवरतनमल जी शिखरचंद जी कांकरिया चेन्नई 1 प्रतिशत एवं मनोज कुमार जी तनीषकुमार जी छाजेड़, पोल्लुर ने 50 हजार रुपये नवीन समता भवन निर्माण लागत में सहयोग राशि की घोषणा की।
3. श्री नीरज जी पोखरना ने 11 हजार व 1 दानदाता ने 25 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की।
4. श्री हुक्मचंद जी कमलेशकुमार जी कोठारी, चैन्नई द्वारा 1 लाख विहार सेवा संयोजन समिति में घोषणा की गई।

प्रवास घोषणाएँ

परिशिष्ट -5

दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरी अंचल का 4 दिवसीय प्रवास- 04 व 12 से 14 जुलाई 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि (सौजन्य से)
1.	संघ महाप्रभावक सदस्यता	3 सदस्य	33 लाख रुपये
2.	प्रभावक सदस्य	1 सदस्य	1 लाख रुपये
3.	इदं न मम	10 सदस्य	73800 रुपये
4.	विहार सेवा सदस्यता	1 सदस्य	1 लाख रुपये
5.	महत्तम महोत्सव	18 सदस्य	54,99,000 रुपये
6.	समता भवन निर्माण	2 सदस्य	1 प्रतिशत

अन्य विशेष:-

1. श्रीमती मंजूदेवी विजयचंद जी बैद, दिल्ली व श्री सुरेन्द्र जी भूरा नवीन समता भवन निर्माण लागत में 1 प्रतिशत सहयोग राशि की घोषणा की।

प्रवास घोषणाएँ

परिशिष्ट -6

बीकानेर मारवाड़ अंचल का 2 दिवसीय प्रवास- 04 से 06 व 14-15 जुलाई 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि (सौजन्य से)
1.	संघ महाप्रभावक सदस्यता	2 सदस्य	22 लाख रुपये
2.	महत्तम महोत्सव	1 सदस्य	21,000 रुपये
3.	इदं न मम	4 सदस्य	13,300 रुपये

अन्य विशेष:-

1. सूरतगढ़ संघ द्वारा संघ आबद्धता हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रवास के दौरान महत्तम महोत्सव में घोषित राशि (सौजन्य से)

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्री अमृतकुमार जी मुथा	चैन्नई	11 लाख
2.	श्री अशोककुमार जी सिपानी	चैन्नई	11 लाख
3.	श्री सुमतिकुमार जी मरलेचा	चेंगलपेट	11 लाख
4.	श्री विजयचंद जी बैद	दिल्ली	11 लाख
5.	गुप्त दान	दिल्ली	11 लाख
6.	श्री रिखभचंद जी बैद	दिल्ली	11 लाख
7.	श्री नवरतनमल जी कांकरिया	चैन्नई	7 लाख
8.	श्री देवीलाल रांका	चैन्नई	5 लाख
9.	श्री दौलतराज जी खिवसरा	चैन्नई	5 लाख
10	श्रीमती पुष्पा जी जैन	नई दिल्ली	5 लाख

11.	श्री केशरीचंद जी भूरा	नई दिल्ली	5 लाख
12.	श्री अशोक जी लालवानी	दिल्ली	2 लाख 51 हजार
13.	श्री सुरेंद्रकुमार जी भूरा	दिल्ली	2 लाख 51 हजार
14.	श्री सुभाषकुमार जी लोढ़ा	मदुरांतकम	2 लाख
15.	श्री कांता जी कुकरा	चैन्नई	2 लाख
16.	श्री अशोकचंद जी लोढ़ा	चैन्नई	2 लाख
17.	श्री निहालचंद जी कोठारी	चैन्नई	1 लाख 51 हजार
18.	श्री मनोहरकुमार जी लोढ़ा	मदुरांतकम	1 लाख 51 हजार
19.	श्री अशोककुमार जी कांकरिया	चैन्नई	1 लाख 51 हजार
20.	श्री रतनलाल जी हीरावत	दिल्ली	1 लाख 11 हजार
21.	श्री पारसमल जी खेतपालिया	ब्यावर	1 लाख 11 हजार
22.	श्री विनोद जी नाहर	ब्यावर	1 लाख 11 हजार
23.	श्री दिलीप जी चोरडिया	दिल्ली	1 लाख 1 हजार
24.	श्री सुशील कुमार जी लोढ़ा	मदुरांतकम	1 लाख
25.	श्री बाबू लाल जी लुणावत	दिल्ली	1 लाख
26.	श्री अभयकुमार जी गुलगुलिया	दिल्ली	1 लाख
27.	श्री झमकु देवी जी बोथरा	दिल्ली	1 लाख
28.	श्री अशोक कुमार जी बांठिया	दिल्ली	1 लाख
29.	श्री माणकचंद जी चंडालिया	चैन्नई	51 हजार
30.	श्री कन्हैयालाल जी झाम्बर	चैन्नई	51 हजार
31.	श्री मनीष कुमार जी सिघवी	सिरकाली	51 हजार
32.	श्री विमलचंद जी लुणावत	सिरकाली	51 हजार
33.	श्री अनिलचंद जी कोठारी	चैन्नई	51 हजार
34.	श्री एस.जे.एस.मायावरम	मयिलाडुतुरै	51 हजार
35.	श्री प्रेमचंद जी लोढ़ा	मदुरांतकम	51 हजार
36.	श्री अजीतकुमार जी नागोरी	चैन्नई	51 हजार
37.	श्री रतनलाल जी सांखला	अजमेर	51 हजार
38.	श्री लोकेश कुमार जी सिंघवी	सिरकाली	21 हजार
39.	श्री पदमकुमार जी बांठिया	चैन्नई	21 हजार
40.	श्री सज्जनराज जी कोठारी	चैन्नई	21 हजार
41.	श्री सुनीलकुमार जी छाबड़ा	गोलूवाला	21 हजार
42.	श्री प्रकाशचंद जी गुगलिया	चैन्नई	21 हजार
43.	श्री नारायणचंद जी पिंचा	नई दिल्ली	21 हजार
44.	श्री अरुण जी सांड	दिल्ली	21 हजार

45.	श्री प्रदीप जी सोनावत	दिल्ली	21 हजार
46.	श्री अनराज जी कोठारी	चैन्नई	11 हजार
47.	श्री राजेन्द्र कुमार खीचा	सिरकाली	11 हजार
48.	श्री माणकचंद जी जैन	चैन्नई	11 हजार
49.	श्री अनोपचंद जी बरडिया	नई दिल्ली	11 हजार
50.	श्री कमलचंद जी डागा	दिल्ली	11 हजार

प्रवास के दौरान इदं न मम में घोषित राशि (सौजन्य से)

1.	श्री जतनलाल जी भूरा	दिल्ली	30 हजार
2.	श्री सुभाष जी लोढ़ा	मदुरांतकम	21 हजार
3.	श्री सुशील जी लोढ़ा	मदुरांतकम	21 हजार
4.	श्री विजयराज जी लोढ़ा	मदुरांतकम	21 हजार
5.	श्री निहाल चंद जी कोठारी	चेन्नई	11,111
6.	श्री कन्हैयालाल जी झामद	चेन्नई	11 हजार
7.	श्री मनीष जी कृष्ण जी सिंघवी	सिरकाली	11 हजार
8.	आभा जी लुनावत	सिरकाली	11 हजार
9.	श्री लोकेश जी सिंघवी	सिरकाली	11 हजार
10.	श्री राजेंद्र जी सौरभ जी खीचा	सिरकाली	11 हजार
11.	श्री प्रवीण जी बुराड	मदुरांतकम	11 हजार
12.	श्री प्रेम चंद जी लोढ़ा	मदुरांतकम	11 हजार
13.	श्री मनोहर जी लोढ़ा	मदुरांतकम	11 हजार
14.	श्री सुमित जी कांकरिया	चेन्नई	11 हजार
15.	श्री विजयजी गुलाबजी लुणावत	हनुमानगढ़	7 हजार
16.	श्री हर्ष जी दुग्गड़	विल्लिपुरम	5 हजार
17.	श्री रतनलाल जी जैन	गोलूवाला	2,100
18.	श्री ताराचंद जी जैन	गोलूवाला	2,100
19.	श्री सुंदरलाल जी नवलखा	गोलूवाला	2,100
20.	श्री मनोजकुमार जी भूरा	पंचकुला	21000 हजार
21.	श्री कार्तिक जी पारख	लुधियाना	5100
22.	श्री मनोज कुमार जी छाजड़	लुधियाना	5100
23.	श्री शांतिलालजी सेठिया	लुधियाना	5100
24.	श्री नोरतनजी बोथरा	लुधियाना	2100
25.	श्री विनयकुमार जी कटेला	लुधियाना	2100
26.	श्री कमलजी सिपानी	लुधियाना	1100
27.	श्री मनुजी संचेती	लुधियाना	1100
28	श्री मोहितजी बोथरा	लुधियाना	1100

परिशिष्ट -7

Financial year 2023-24

S.NO.	PARTICULARS	AMOUNT
1	MEMBERSHIP FUND	
	CORPUS RECEIVED	3,39,35,222
	LESS : CORPUS INVESTMENTS	
	BONDS	1,71,22,933
	FDR'S	1,01,23,516
	CORPUS RECEIVED BUT NOT INVESTED (Difference)	66,88,773
2	FUND UTILISATION	
	SAMTA BHAWAN DEFICIT	(20,99,028)
	REVENUE (PRAVARTI) DEFECIT	(3,51,287)
	INCREASE IN WORKING CAPITAL	(42,38,458)
	FUND UTILISED	(66,88,773)

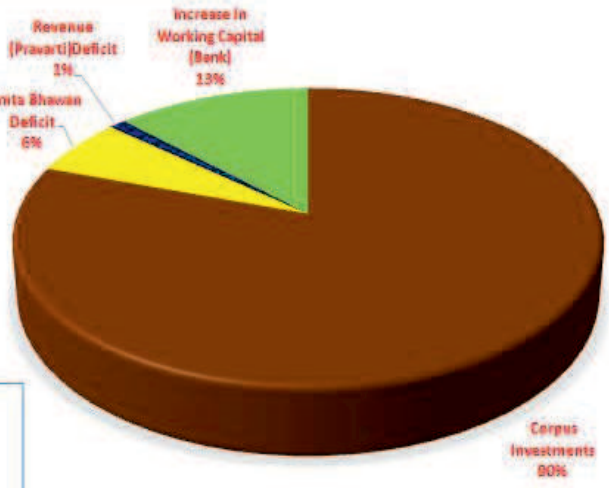

सभी प्रकार की सदस्यता राशि दानदाता द्वारा आज तक प्राप्त हुई है। वह 31 मार्च 2024 तक बॉन्ड व एफ.डी. में शतप्रतिशत से ज्यादा इंवेस्ट कर दी गई है।

MEMBERSHIP DONATIONS 2023-24

S.NO.	PARTICULARS	AMOUNT
	MEMBERSHIP DONATIONS	
1	Sangh Shikhar Member Fund	2,05,00,000
2	Sangh Mahaprabhavak Member Fund	1,15,38,021
3	Sangh Prabhavak Member Fund	2,00,000
4	Sangh Life Member Fund	20,000
5	Sangh Life Ordinary Member Fund	11,000
6	Vihar Sanyojan Rashi Fund	7,50,001
7	Sahitya Life Member Fund	2,70,000
8	Samta Miti Yojana Fund	40,500
9	Sharmanopasak Life Member Fund	1,32,700
10	Mahila Samiti Life Member Fee Fund	2,05,000
11	SYS Stambh Member Fund	68,000
12	Jay shree Golchha sanyam seva nidhi	2,00,000
	TOTAL MEMBERSHIP FUND	3,39,35,222

Shri Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh

'Samta Bhawan', Acharya Shri Nanesh Marg, Nokha Road, Gangashahar, Bikaner 334401

Balance Sheet as at March 31, 2024

	Schedule	As at March 31, 2024		As at March 31, 2023	
Sources of Funds					
Capital Fund	1		64,69,49,726		57,75,84,365
Other Funds	2		12,38,30,151		12,30,90,638
			77,07,79,877		70,06,75,003
Application of Funds					
Fixed Assets	3		21,35,52,268		17,74,91,293
Investments	4		53,39,34,589		50,62,66,160
Current Assets, Loans and Advances					
Stock of Literature & Others	5	1,32,06,644		1,06,78,239	
Sundry Debtors		23,66,073		37,12,130	
Cash & Bank Balances	6	1,23,19,172		72,59,144	
Loans & Advances	7	49,76,572		26,77,059	
		3,28,68,461		2,43,26,572	
Less: Current Liabilities & Provisio	8	95,75,441	2,32,93,020	74,09,022	1,69,17,550
			77,07,79,877		70,06,75,003
			-		-

Notes to Accounts:

1 Audited Balance Sheets will be available by the date of AGM (2nd October,2024)

Shri Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh

'Samta Bhawan', Acharya Shri Nanesh Marg, Nokha Road, Ganganahar, Bikaner 334401

Income & Expenditure Account for the year ended at March 31, 2024 Amount in Rupees

		For the year ended on	
Income	Schedule	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Rental Income	9	47,00,489	50,37,384
Donation & Other receipts		4,59,71,356.00	4,61,07,794
Interest Received		4,11,93,179	3,62,04,296
Collection through Donation Boxes		32,72,636	27,35,088
Profit on sale of Fixed Assets		-	21,940
		9,51,37,660	9,01,06,502
Expenditure		-	
Shramnopasak Account	10	1,37,33,666	1,24,67,368
Administrative Expenses	11	1,45,76,152	1,14,96,979
Relief to Under-priviledged		53,19,856	48,13,500
Educational & Enrichment Support Expenses		88,17,284	1,00,85,109
Dhyan Kendra & Chhatravas Expenses		43,15,376	48,33,398
Samta Sanskar Pathshala Expenses		1,32,24,435	1,40,73,946
Samta Sarita Seva Expenses		89,59,490	93,27,812
Sahitya Expenses		25,76,884	28,52,853
Repairs & Maintenance		6,13,615	5,96,108
Medical Aid & Others		5,95,000	6,67,890
Jeev Daya		12,81,889	25,47,388
Mahatam Mahotsav		1,09,88,719	-
Dharampal Prachar Prasar Expenses		39,46,816	48,87,667
Property Tax & Maintenance Expenses		8,11,271	3,97,683
		8,97,60,452	7,90,47,701
		-	
(Deficit) / Surplus carried to Balance Sheet		53,77,208	1,10,58,801
Less:Appropriation Transfer To Sangh Land & Building Corpus		(2,00,000)	(37,96,000)
Less:Appropriation Transfer To General Fund Mahatam Mahotsav		(12,89,939)	(39,21,260)
Balance Transferred To General Fund		38,87,269	33,41,541